वर्तमान शिक्षा प्रणाली में कमियां

366. **श्री मोहिन्दर सिंह कल्याण** : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान शिक्षा प्रणाली में क्या-क्या कमियां है;

(ख) सरकर इन कमियों को किस प्रकार से दूर करने का विचार रखती है;

(ग) क्या यह सच है कि उच्च शिक्षा काफी मंहगी होती जा रही है; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है

मानव संसाधन विकास मंत्री (डा.मुरली मनोहर जोशी) : (क) और (ख) स्वातंत्रयोत्तर युग में समय-समय पर शिक्षा नीति की आवधिक समीक्षा की गई है। इस समय 1992 में यथा अद्यतन की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.पी.ई.), 1986 के अनुसार शिक्षा प्रणाली संचालित होती है। वर्तमान सरकार कठिनाईयों को दूर करने तथा शैक्षिक नीतियों की समीक्षा करने के लिए व्यापक परामर्श करने का प्रस्ताव करती है।

(ग) और (घ) सामान्य तौर पर उच्च शिक्षा महंगी नहीं है क्योंकि सरकार निधियां प्रदान कर रही है और विश्वविद्यालयों के अधिकांश पाठ्यक्रमों में अभी भी शिक्षण शुल्क बहुत कम है।

Women Welfare Commission

367. SHRI BANGARU LAXMAN: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Women Welfare Commission have been set up in all the States;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the States where these are not yet functioning?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (Dr. MURLI MANOHAR JOSHI): (a) to (c) No Sir. The State Governments have set up State Commissions for Women only in the States of Assam, Goa, Himachal Pradesh, Kerala, Karnataka, Maharashtra, Madhya Pradesh, Orissa, Tamil Nadu, Tripura, West Bengal and Delhi. In the remaining States they have not been set up by the State Governments.

Drop out Rate of Primary and High School Children

368. SHRI RAM NATH KOVIND:
DR. RANBIR SINGH:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what is the drop out rate of children in the ege group of S years to 15 years in primary and high schools in the country;

(b) what is the drop out rate of girls in such schools; and

(c) the measures Government propose to take to check this?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DR. MURLI MANOHAR JOSHI): (a) and (b) According to available information drop-out rates of children in primary Classes (I—V) and in upper primary Classes (I—VIII) during 1995-% are 39% and 58% respectively.

The drop-out rate of girls in these classes is 41% and 62% respectively.

(c) Government have taken a number of measures to reduce the drop-out rates. These include Microplanning and Community mobilisation; greater involvement of Panchayati Raj Institutions; improvement of school infrastructure; incentives for girls and SC/ST students; establishing and strengthening of institutions of teacher education introduction of Minimum Levels of Learning.

Internationally assisted basic education projects such as District Primary Education Programme (DPEP), which is being implemented in 149 districts, have designed contextually relvant strategies to contain drop out rates at primary level.

रोजगारोन्मुखी शिक्षा

369. **श्री बलवंत सिंह रामूवालिया**:

श्री बरजिन्दर सिंह :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश के प्रत्येक बालक की प्रारभिक शिक्षा और प्रत्येक युवा के लिए रोजगारोन्मुखी व्यावसायिक शिक्षा की समुचित व्यवस्था करने हेतु आवश्यक धनराशि का अनुमान लगाया है;